मूल्य शिक्षा प्रकोष्ठ

स्वामी विवेकानन्द राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
लोहाघाट, चम्पावत (उत्तराखण्ड)

विद्यार्थियों हेतु मानवीय मूल्य एवं आचारनीति

छात्र उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में अपने जीवन के स्वर्णिम भाग का सर्वोत्तम उपयोग सीखने और संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करने के लिए अपनी ऊर्जा समर्पित करेंगे।

1–विश्वविद्यालय के अधिनियम, कानून, अध्यादेश, नियमों, नीतियों, प्रक्रियाओं का पालन करेंगे और इसके आदर्शों, भविष्य दृष्टि, मिशन, सांस्कृतिक प्रथाओं और परंपराओं का सम्मान करेंगे।

2–शैक्षिक संस्थान में आनंद पूर्वक सीखने के अनुभव के साथ रहेंगे।

3–कक्षाओं में उपस्थित रहने के दौरान समय के पाबंद, अनुशासित और नियमित रहेंगे।

4–अपनी मर्यादा और व्यवहार में शालीनता दर्शाएंगे।

5–शिक्षकों, कर्मचारियों और साथी छात्रों के साथ सम्मान और शिष्टाचार के साथ व्यवहार करेंगे।

6–उच्चतम स्तर के मूल्यों और नैतिकता को प्राप्त करके कनिष्ठ छात्रों के लिए एक आदर्श के रूप में कार्य करेंगे।

7–विभिन्न सामाजिक–आर्थिक स्थिति, समुदाय, जाति, धर्म या क्षेत्र से संबंधित छात्रों के बीच सामंजस्य बनाए रखेंगे।

8–परिसर और आसपास के क्षेत्र की साफ–सफाई में योगदान देंगे।

9–संस्थागत सम्पत्तियों का सम्मान और देखभाल करेंगे।

10–बाहर के कार्यकलापों (शैक्षिक दौरे या भ्रमण) के दौरान उचित व्यवहार करेंगे।

11–सभी दस्तावेजों में केवल सही जानकारी प्रदान करने में ईमानदारी बरतेंगे।

12–स्वयं के शैक्षिक कार्यो को प्रस्तुत करते समय शैक्षिक ईमानदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखेंगे।

13–सभी छात्रों के लिए सीखने के अनुकूल वातावरण को बनाए रखने में शिक्षकों की सहायता करेंगे।

14–परिसर को रैगिंग मुक्त रखने का प्रयास करेंगे।

15–लैंगिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील होंगे।

16–सामाजिक आवश्यकताओं और विकास के प्रति संवेदनशील होंगे।

17–अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखेंगे और किसी भी तरह के नशे से बचेंगे।

आज्ञा से–

प्राचार्य